दिनांक 12.08.2025 को भारत सरकार द्वारा संचालित जल जीवन मिशन के अन्तर्गत जनपद उन्नाव में प्रस्तावित कार्यों की समीक्षा हेतु आहूत बैठक का कार्यवृत्त

–:– उपस्थिति –:–

1. श्री अजीत कुमार सिंह, अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), उन्नाव।
2. श्री पुनीत कुमार, सहायक अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), उन्नाव।
3. श्री धनन्जय कुमार, डिप्टी टीम लीडर, सेन्सिस टेक्नो लि0 (टी.पी.आई.), उन्नाव।
4. श्री रवि कान्त द्विवेदी, डिप्टी जनरल मैनेजर, कार्यदायी फर्म मेसर्स मेघा इंजीनियर्स एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0, लखनऊ।
5. श्री श्याम, प्रोजेक्ट मैनेजर (क्लस्टर–ए), कार्यदायी फर्म मेसर्स मेघा इंजीनियर्स एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0, लखनऊ।
6. श्री श्रवण, प्रोजेक्ट मैनेजर (क्लस्टर–बी), कार्यदायी फर्म मेसर्स मेघा इंजीनियर्स एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0, लखनऊ।

भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जल जीवन मिशन (फेज–4) के अन्तर्गत जनपद उन्नाव में सतही स्रोत आधारित पेयजल योजना के निर्माण कार्य प्रस्तावित है, जिसके कार्य क्लस्टर– ए एवं बी में कराये जाने हैं। जिस हेतु राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ द्वारा निविदा प्रकिया पूर्ण कर कार्यदायी फर्म मेसर्स मेघा इंजीनियर्स एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0, सेक्टर–सी–2, प्लाट नं0– 177, सुशान्त गोल्फ सिटी, अन्सल ए.पी.आई., निकट लुलु मॉल, लखनऊ को नामित किया गया है। उक्त योजना से सम्बन्धित निम्नलिखित बिन्दुओं पर समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट स्थित अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में दिनांक 12.08.2025 को सम्पन्न हुई:–

1. जल जीवन मिशन योजना (फेज–4) के अन्तर्गत भूमि उपलब्धता के सापेक्ष भूमि चिन्हांकन की अद्यतन स्थिति।
2. जल जीवन मिशन योजना (फेज–4) के अन्तर्गत जनपद उन्नाव मे प्रस्तावित कार्यो पर प्रगति की समीक्षा।
3. जल जीवन मिशन योजना (फेज–4) के अन्तर्गत पाइप लाइन बिछाये जाने हेतु खोदी गयी सड़कों की पुनर्स्थापना के कार्यों की समीक्षा।

1. जल जीवन मिशन योजना (फेज–4) के अन्तर्गत भूमि उपलब्धता के सापेक्ष भूमि चिन्हांकन की अद्यतन स्थिति:–

उक्त के सम्बन्ध में अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), उन्नाव द्वारा अवगत कराया गया जनपद में शिरोपरि जलाशय (OHT) एवं भूमिगत जलाशय (CWR) निर्माण हेतु उपलब्ध कुल भूमि 471 नग के सापेक्ष समस्त वांछित भूमि का चिन्हांकन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

क0सं0	तहसील का नाम	प्रस्तावित भूमि	चिन्हित स्थल	अवशेष स्थल
1	सदर	94	94	0
2	बांगरमऊ	55	55	0
3	सफीपुर	42	42	0
4	हसनगंज	127	127	0
5	बीधापुर	65	65	0
6	पुरवा	89	89	0
	योग	471	471	0

2. जल जीवन मिशन योजना (फेज–4) के अन्तर्गत जनपद उन्नाव मे प्रस्तावित कार्यो पर प्रगति की समीक्षा:–

➢ **इनटेकवेल**– अधिशासी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि योजनान्तर्गत जनपद कानपुर नगर के ग्राम कटरी शंकरपुर सराय में निर्माणाधीन 359 एम.एल.डी. क्षमता के इन्टेकवेल के कार्य लगभग 72.90 प्रतिशत तक पूर्ण कर लिये गये हैं, शेष कार्य प्रगति पर हैं। योजनान्तर्गत प्रस्तावित 345 मीटर बाउन्ड्रीवाल के कार्यों के सापेक्ष लगभग 180 मीटर बाउन्ड्रीवाल का कार्य पूर्ण किया जा चुका है तथा शेष कार्य प्रगति पर हैं, साथ ही राजस्व विभाग कानपुर एवं सहायक अभिलेख अधिकारी द्वारा एप्रोच रोड का चिन्हांकन कर लिया गया है जिसे तत्काल बाउन्ड्री कर अपने स्वामित्व में कर लेने का कार्य शीघ्र पूर्ण किये जाने हेतु अधोहस्ताक्षरी द्वारा डिप्टी जनरल मैनेजर श्री रवि कान्त द्विवेदी को निर्देशित किया गया कि कार्यों में गतिशीलता लायें जिससे कि योजनान्तर्गत प्रस्तावित कार्यों को निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराते हुये योजना का जनोपयोगी बनाया जा सके।

➢ <u>डब्ल्यू.टी.पी. ए (क्षमता–170 एम.एल.डी.)–</u> अधिशासी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि उन्नाव सतही स्रोत आधारित योजना के अन्तर्गत डब्ल्यू.टी.पी. ए का निर्माण कार्य गंगा बैराज (लवकुश बैराज) परियोजना में बांये गाईड बन्ध से लगभग 200 मी0 की दूरी पर जनपद कानपुर नगर की तहसील कानपुर सदर के अन्तर्गत ग्राम कटरी शंकरपुर सराय में किया जा रहा है, डब्ल्यू.टी.पी. क्लस्टर–ए के कार्यों की प्रगति कार्यदायी फर्म की लचर कार्यप्रणाली के कारण वर्तमान तक मात्र 44.06 प्रतिशत प्राप्त हो सकी है, जिसके लिये कार्यदायी फर्म के प्रतिनिधि श्री रवि कान्त द्विवेदी को निर्देशित किया गया कि कार्यों को द्रुत गति कराये जिससे कि योजनान्तर्गत प्रस्तावित कार्यों को निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराते हुये योजना को जनोपयोगी बनाया जा सके।

➢ <u>डब्ल्यू.टी.पी. बी (क्षमता–130 एम.एल.डी.)–</u> अधिशासी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि उन्नाव सतही स्रोत आधारित योजना के अन्तर्गत डब्ल्यू.टी.पी. बी का निर्माण कार्य जनपद के विकास खण्ड बिछिया के ग्राम कोरारी कला में कराया जा रहा है तथा डब्ल्यू.टी.पी. क्लस्टर–बी के कार्यों की प्रगति कार्यदायी फर्म की लचर कार्यप्रणाली के कारण वर्तमान तक मात्र 55.02 प्रतिशत प्राप्त हो सकी है, जिसके लिये कार्यदायी फर्म के प्रतिनिधि श्री रवि कान्त द्विवेदी को निर्देशित किया गया कि कार्यों को द्रुत गति कराये जिससे कि योजनान्तर्गत प्रस्तावित कार्यों को निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराते हुये योजना को जनोपयोगी बनाया जा सके।

➢ <u>भूमिगत जलाशय (CWR):–</u> अधिशासी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि उन्नाव सतही स्रोत आधारित योजना के क्लस्टर–ए के अन्तर्गत 27 नग तथा क्लस्टर–बी के अन्तर्गत 26 नग इस प्रकार कुल 53 नग भूमिगत जलाशयों (CWR) का निर्माण कराया जाना है, जिसके सापेक्ष भूमि चिन्हांकन का कार्य पूर्ण करा लिया गया है एवं क्लस्टर– ए के अन्तर्गत प्रस्तावित 27 नग भूमिगत जलाशय (CWR) के सापेक्ष 24 नग भूमिगत जलाशय (CWR) तथा क्लस्टर– बी के अन्तर्गत प्रस्तावित समस्त 26 नग भूमिगत जलाशय (CWR) के निर्माण कार्य प्रगति पर हैं। जिसका विवरण निम्नानुसार है:–

Work Progress	Cluster- A (Scope- 27 Nos. CWR)		Cluster- B (Scope- 26Nos. CWR)	
	Total	Balance	Total	Balance
Excavation Progress	24	3	26	0
PCC Progress	16	11	22	4
Raft Progress	12	15	18	8
Vertival Wall	3	24	5	21
0% to 25%	22	5	25	1
26% to 50%	2	25	1	25
51% to 75%	0	27	0	26
76% to 100%	0	27	0	26
Complete	0	27	0	26

उक्त के सम्बन्ध में कार्यदायी फर्म के प्रतिनिधि श्री रवि कान्त द्विवेदी तथा क्लस्टर–ए एवं बी के प्रोजेक्ट मैनेजरों द्वारा शेष 03 नग भूमिगत जलाशय (CWR) के सापेक्ष निम्नानुसार कार्ययोजना से अवगत कराया गया:–

Cluster	Excavation		PCC		Raft		Column UPTO GL	
	Target	CWR	Target	CWR	Target	CWR	Target	CWR
A	0	0	0	0	0	0	0	0
B	0	0	0	0	0	0	0	0
Total	0		0		0		0	

➢ <u>शिरोपरि जलाशय (OHT):–</u> अधिशासी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि उन्नाव सतही स्रोत आधारित योजना के क्लस्टर–ए के अन्तर्गत 239 नग तथा क्लस्टर–बी के अन्तर्गत 203 नग इस प्रकार कुल 442 नग शिरोपरि जलाशयों (CWR) का निर्माण कराया जाना है, जिसके सापेक्ष शत–प्रतिशत चिन्हांकन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा क्लस्टर–ए के अन्तर्गत 208 नग OHT Structures तथा क्लस्टर–बी के अन्तर्गत 186 नग OHT Structures पर कुल 394 नग OHT Structures पर निर्माण कार्य प्रारम्भ करा दिया गया है। जिस पर कार्यदायी फर्म के प्रतिनिधि श्री रवि कान्त द्विवेदी द्वारा अवगत कराया गया कि योजनान्तर्गत प्रस्तावित 442 नग OHT Structures के समस्त कार्य माह जनवरी, 2026 तक पूर्ण कर लिये जायेंगे। उक्त के सम्बन्ध में अधोहस्ताक्षरी द्वारा कार्यदायी फर्म के प्रतिनिधि श्री रवि कान्त द्विवेदी को निर्देशित किया गया कि शेष 48 नग शिरोपरि जलाशयों (OHT) पर खुदाई का कार्य प्रारम्भ कराते हुये योजनान्तर्गत प्रस्तावित 442 नग OHT Structures के समस्त कार्य पूर्ण कर लिये जाये।

Work Progress	Cluster- A (Scope- 239 Nos. OHT)		Cluster- B (Scope- 203 Nos. OHT)	
	Total	Balance	Total	Balance
Excavation Progress	208	31	186	17
PCC Progress	197	42	174	29
Raft Progress	163	76	142	61
Column Up to GL Progress	151	88	127	76
0% to 25%	148	93	137	67
26% to 50%	50	191	41	163
51% to 75%	9	232	8	196
76% to 100%	1	238	0	203
Complete	0	239	0	203

उक्त के सम्बन्ध में कार्यदायी फर्म के प्रतिनिधि श्री रवि कान्त द्विवेदी तथा क्लस्टर–ए एवं बी के प्रोजेक्ट मैनेजरों द्वारा शेष 52 नग शिरोपरि जलाशय (OHT) के सापेक्ष निम्नानुसार कार्ययोजना से अवगत कराया गयाः–

Cluster	Excavation		PCC		Raft		Column UPTO GL	
	Target	OHT Zone	Target	OHT Zone	Target	OHT Zone	Target	OHT Zone
A	0	0	0	0	0	0	0	0
B	0	0	0	0	0	0	0	0
Total	0	0	0	0	0	0	0	0

अधोहस्ताक्षरी द्वारा अवगत कराया कि अग्रिम माह की बैठक में उक्त सूचना उपलब्ध से अवगत करा दिया जायेगा।

➢ <u>वितरण प्रणाली, पेयजल गृह संयोजन</u>:– उक्त के सम्बन्ध में अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), उन्नाव द्वारा अवगत कराया गया कि कार्यदायी फर्म मेसर्स मेघा इंजीनियर्स एण्ड इन्फास्ट्रक्चर लि0, लखनऊ द्वारा क्लस्टर ए एवं बी में आवंटित कुल 1673 राजस्व ग्रामों में पाइप लाइन बिछाने हेतु सर्वेक्षण का कार्य पूर्ण कर लिया गया है क्लस्टर–ए के अन्तर्गत 1047 राजस्व ग्रामों में कार्यों को प्रारम्भ कराते हुये लगभग 3084.57 किमी. वितरण प्रणाली एवं 29773 नग पेयजल गृह संयोजन करा दिये गये हैं, शेष कार्य प्रगति पर हैं। क्लस्टर–बी के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्यों में से 600 राजस्व ग्रामों में कार्यों को प्रारम्भ कराते हुये लगभग 3164.53 किमी. वितरण प्रणाली एवं 42947 नग पेयजल गृह संयोजन करा दिये गये हैं, शेष कार्य प्रगति पर हैं। इस प्रकार 1647 राजस्व ग्रामों में कार्यों को प्रारम्भ कराते हुये कुल 6249.10 किमी. वितरण प्रणाली एवं 72720 नग पेयजल गृह संयोजन उपलब्ध कराये जा चुके हैं, शेष कार्य प्रगति पर हैं, जनपद में एफ.एच.टी.सी. कार्यों की प्रगति 25.98 प्रतिशत है, जोकि शासन की मंशा के अनुरूप अत्यन्त कम है। एफ.एच.टी.सी. कार्यों की धीमी प्रगति के सम्बन्ध में कार्यदायी फर्म के प्रतिनिधि श्री रवि कान्त द्विवेदी द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान में पाइप लाइन बिछाये जाने का कार्यों के साथ खोदी गयी सड़कों की पुनर्स्थापना का कार्य प्राथमिकता पर कराया जा रहा है तथा पाइप लाइन कार्यों की प्रगति बढ़ाये जाने हेतु अगले माह से पाइप लाइन बिछाये जाने हेतु अतिरिक्त श्रमिक कार्यस्थल पर तैनात करते हुये कार्यों को प्रारम्भ करा दिया जायेगा। जिसके सम्बन्ध में अधोहस्ताक्षरी द्वारा कार्यदायी फर्म के प्रतिनिधि श्री रवि कान्त द्विवेदी को निर्देशित किया गया कि कार्यो को द्रुत गति से अवशेष 55 राजस्व ग्रामों में पाइप बिछाये जाने एवं अन्य तत्सम्बन्धी कार्य करवाते हुए FHTC को शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य 33.00 प्रतिशत को शीघ्र प्राप्त करना सुनिश्चित करे।

3. <u>जल जीवन मिशन योजना (फेज–4) के अन्तर्गत पाइप लाइन बिछाये जाने हेतु खोदी गयी सड़कों की पुनर्स्थापना के कार्यों की समीक्षा</u>:– अधिशासी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि कार्यदायी फर्म द्वारा वर्तमान तक क्लस्टर–ए एवं बी के अन्तर्गत कुल बिछायी गयी पाइप लाइन हेतु काटी गयी सड़क एवं कार्य समाप्ति के उपरान्त पुनर्स्थापित की गयी सड़कों का विवरण निम्नानुसार है:–

क्रम सं0	क्लस्टर	कुल बिछायी गयी वितरण प्रणाली (कि.मी. में)	वितरण प्रणाली बिछाये जाने हेतु काटी गयी सड़कें (कि.मी. में)	कार्य समाप्ति के उपरान्त पुनर्स्थापित सड़कें (कि.मी. में)	पुनर्स्थापना का प्रतिशत
1	क्लस्टर–ए	2978.24	811.19	689.46	84.99%
2	क्लस्टर–बी	3078.41	1309.76	1158.28	88.43%
योग		**5952.14**	**2120.95**	**1847.74**	**87.12%**

उपरोक्त के सम्बन्ध में अधोहस्ताक्षरी द्वारा कार्यदायी फर्म के प्रतिनिधि श्री रवि कान्त द्विवेदी द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान में पाइप लाइन बिछाये जाने के साथ अधिक से अधिक श्रमिकों को सड़क पुनर्स्थापना के कार्यों में लगा दिया गया है। वितरण प्रणाली बिछाये जाने के दौरान खोदी सड़कों को पाइप लाइन बिछाने के तुरन्त बाद मोटरेबल एवं पुनर्स्थापना का कार्य 30 दिनों में करा जा रहा है। अधोहस्ताक्षरी द्वारा सड़क पुनर्स्थापना कार्यों की प्रगति संतोषजनक पायी गयी तथा सड़क पुनर्स्थापना के कार्यों की शिकायत में कमी आयी है। जिसके सम्बन्ध में अधोहस्ताक्षरी द्वारा कार्यदायी फर्म के प्रतिनिधि को निर्देशित किया गया कि सड़क पुनर्स्थापना की गुणवत्ता के साथ कार्य की प्रगति सुनिश्चित की जाये। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि यदि फर्म द्वारा सड़क पुनर्स्थापना के कार्य को कराने में अनावश्यक विलम्ब किये जाने की दशा में कोई भी घटना–दुघर्टना घटित होती है तो उसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व फर्म का होगा।

साथ ही अधोहस्ताक्षरी द्वारा निर्देशित किया गया कि योजनान्तर्गत प्रस्तावित समस्त कार्यों को पूर्ण किये जाने हेतु आवश्यक 5500 श्रमिकों के सापेक्ष वर्तमान में डिप्टी टीम लीडर द्वारा अवगत कराया गया कि 1322 श्रमिक कार्यरत है जिससे अधोहस्ताक्षरी द्वारा 04 सप्ताह में कार्यस्थलों पर तैनात करना सुनिश्चित करें जिस हेतु प्रत्येक सप्ताह अतिरिक्त 300 श्रमिकों को कार्यस्थल पर लगाते हुये कमिक वृद्धि की जाये।

इसी कम में अधिशासी अभियन्ता एवं कार्यदायी फर्म के प्रतिनिधि श्री रवि कान्त द्विवेदी को निर्देशित किया गया कि योजना से सम्बन्धित कार्यों की कार्ययोजना एवं प्रगति को इस प्रकार सुनियोजित कर लें कि निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराते हुये योजना को जनोपयोगी बनाया जा सके।

अन्त में बैठक सधन्यवाद सम्पन्न हुयी।

(विधेश)
अपर जिलाधिकारी,
नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग
उन्नाव।

कार्यालय जिलाधिकारी, उन्नाव

पत्रांकः– 3252 / WS-103A / 578 दिनांक : 21/8/2025

प्रतिलिपि :–निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. जिलाधिकारी महोदय, उन्नाव।
2. अधिशासी निदेशक, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन(नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग), किसान वाजार,प्रथम तल, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ।
3. मुख्य अभियन्ता (ल0क्षे0), उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।
4. अधीक्षण अभियन्ता, मण्डल कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।
5. अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), उन्नाव।
6. सहायक अभिलेख अधिकारी, उन्नाव।
7. डिप्टी टीम लीडर, सेन्सिस टेक्नो लि0 (टी.पी.आई.), उन्नाव।
8. मेसर्स मेघा इंजीनियर्स एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0, लखनऊ।

अपर जिलाधिकारी,
नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग
उन्नाव।